ऑखें बंद करूँ या खोलूँ-साईं

ऑखें बंद करूँ या खोलूँ ॥, मुझको दर्शन दे देना ॥
*दर्शन दे देना, साईं मुझे दर्शन दे देना ॥,
ऑखें बंद करूँ या खोलूँ,,,,,,,,,,,

मैं नाचीज़ हूँ बन्दा तेरा, तूँ सबका दाता है ।
तेरे हाथ मैं सारी दुनियाँ, मेरे हाथ मैं क्या है ॥
*तुझको देखूं जिसमे ऐसा, दर्पण दे देना,
ऑखें बंद करूँ या खोलूँ,,,,,,,,,,,

मेरे अन्दर तेरी लहरें, रिश्ता है सदियों का ।
जैसे इक नाता होता है, सागर से नदियों का ॥
*करूँ साधना तेरी केवल, साधना दे देना,
ऑखें बंद करूँ या खोलूँ,,,,,,,,,,,

हम सब हैं सीताएँ तेरी, हम सब राम तुम्हारे ।
तेरी कथा सुनते जायेंगे, बाबा तेरे सहारे ॥
*इस जंगल में चाहे लाखों, रावण दे देना,
ऑखें बंद करूँ या खोलूँ,,,,,,,,,,,

मेरी मांग बड़ी साधारण, मन में आते रहियो ।
हर इक साँस के पीछे अपनी, झलक दिखलाते रहियो ॥
*नाम तेरा ले आखिर तक, वो धड़कन दे देना,
ऑखें बंद करूँ या खोलूँ,,,,,,,,,,,
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20789/title/aankhe-band-karu-ya-kholu--sai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |